(1)

बिलट महथा आदर्श महाविद्यालय, बहेड़ी, दरभंगा
(L.N.M.U)

मैथिली प्रतिष्ठा
स्नातक तृतीय खण्ड
पंचम पत्र - मैथिली साहित्यक इतिहास
आधुनिक काल मात्र

नरेश कुमार
सहायक प्राचार्य
मैथिली विभाग
दिनांक 04/09/2020

व्याख्यानक संक्षिप्त अंश

(-धारिम भाग)

प्रश्न :- आधुनिक मैथिली नाटकक विकासक रूपरेखा प्रस्तुत करु।

उत्तर : .... एकर पश्चात् 1943 ई० मे दामोदर झाक 'गान्धर्व विवाह' नाटक प्रकाशित भेल। यद्यपि ई नाटक लेखक केर मौलिक कृति थिक तथापि कथा विकासादिमे कालिदासक "अभिज्ञान शाकुन्तलम" केर लीक पर चलैत अछि। एकर पश्चात् 1950 ई० मे शारदानन्द झाक 'फ़ेरार' नाटक प्रकाशित भेल। ई नाटक मैथिली नाट्य साहित्यमे एक नव वस्तुकेँ उपस्थित कएलक। राजनीतिक घटनाक कथा वस्तुकेँ आधार बनाए ई नाटक लिखल गेल।

तदोपरान्त 1956 ई० प० जीवन झाक लिखल 'वीर-नरेन्द्र' नामक ऐतिहासिक नाटक प्रकाशित भेल। नाटक वीर रसावेष्ठित अछि। एहिमे रंगमंचक अनुकूल दृश्यक विधान अछि। कथोपकथन जे नाटकक रीढ़ थीक, पात्रक प्रकृतिक अनुरूप प्रभावोत्पादक भाषामे अछि। लेखकक दोसर कृति 1958 ई०मे 'दुर्गा-विजय' नाटक प्रकाशित भेल। एहि नाटकमे, नव प्रवृतिक स्पष्ट विकास देखना जाइछ जे एखन धरि मैथिली नाटकमे पद्यक वा गीतक बाहुल्य रहैत छल से घटै लागल।

04/09/2020